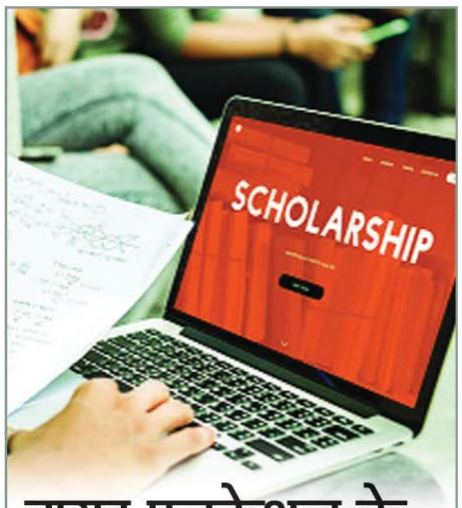

हायर एजुकेशन के लिए 10 लाख रुपये तक की मदद करती है ये स्कॉलरशिप

जे.एन. टाटा एंडोमेंट लोन स्कॉलरशिप भारतीय नागरिकों को हायर एजुकेशन के लिए प्रदान की जाने वाली एक स्कॉलरशिप है। हायर एजुकेशन की इच्छा रखने वाले उम्मीदवार इस स्कॉलरशिप की मदद से अपना सपना पूरा कर सकते हैं। स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए उम्मीदवार www.jntataendowment.org पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

क्या है जे.एन. टाटा एंडोमेंट स्कॉलरशिप?

जे.एन. टाटा एंडोमेंट स्कॉलरशिप हायर एजुकेशन करने वाले भारतीय नागरिकों को प्रदान की जाती है। यह स्कॉलरशिप उन छात्रों को लोन प्रदान करती है जो विदेश में पोस्ट ग्रेजुएशन/पीएचडी/पोस्ट डॉक्टोरल/रिसर्च फेलोशिप की पढ़ाई के लिए एकेडमिक वर्ष के लिए अध्ययन कर रहे हैं। यह स्कॉलरशिप एक फंडिंग स्कॉलरशिप है जो लोन स्कॉलरशिप के रूप में काम करती है।

योग्यता

इस स्कॉलरशिप की योग्यता के अनुसार उम्मीदवार भारतीय होना चाहिए और उसकी उम्र 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए और कम से कम एक ग्रेजुएशन की डिग्री पूरी की हो या जो भारत में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / कॉलेज / संस्थान में किसी भी ग्रेजुएशन कार्यक्रम के अंतिम वर्ष में हों। इसके साथ ही उम्मीदवार जो फर्स्ट ईयर के अंत में हैं और अपने विदेशी अध्ययन के दूसरे वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। यह तभी लागू होता है जब पाठ्यक्रम की न्यूनतम अवधि 2 वर्ष हो और लोन स्कॉलरशिप प्रदान करने के समय पूरा करने के लिए कम से कम एक पूर्ण शैक्षणिक वर्ष शेष हो। उम्मीदवारों को अपने ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन अध्ययन में औसतन कम से कम 60त्न अंक प्राप्त करने चाहिए।

जे.एन. टाटा स्कॉलरशिप के लिए ये डॉक्यूमेंट है जरूरी

टाटा स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करने से पहले छात्रों के पास कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट होने चाहिए। जेएन टाटा एंडोमेंट लोन स्कॉलरशिप दस्तावेज़ जेएन टाटा एंडोमेंट स्कॉलरशिप चयन प्रक्रिया के दौरान आवश्यक हैं। छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करते समय एसओपी (उद्देश्य का विवरण) और एलओआर (सिफारिश पत्र) केवल आवश्यक दस्तावेज हैं।
जेएन टाटा एंडोमेंट स्कॉलरशिप छात्रों को 1,00,000 रुपये और 10,00,000 रुपये के बीच स्कॉलरशिप के रूप में लोन मिलेगा। उम्मीदवार को अधिकतम रु. 7,50,000/- की ट्रेवल असिस्टेंस प्रदान की जाएगी और लोन स्कॉलरशिप में रु. 50,000 ट्रेवल ग्रांट के रूप में दिया जा सकता है।

विलनिकल एम्ब्रियोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है जो आईवीएफ यानी इन विट्रो फर्टिलाइजेशन तकनीक से जुड़ा है. इसमें महिला के एग और पुरुष के स्पर्म को लैब में मिलाकर भ्रूण तैयार किया जाता है. इस पूरी प्रक्रिया में विलनिकल एम्ब्रियोलॉजिस्ट की खास भूमिका होती है. यह कोर्स करके आप आईवीएफ लैब में विशेषज्ञ के रूप में काम कर सकते हैं और इनफर्टिलिटी ट्रीटमेंट में योगदान दे सकते हैं.

आईवीएफ टेक्नोलॉजी में बनाएं करियर

करें क्लिनिकल एम्ब्रियोलॉजी कोर्स

आईवीएफ टेक्नोलॉजी यानी इन विट्रो फर्टिलाइजेशन एक ऐसी तकनीक है, जिसकी मदद से बच्चे नहीं होने की समस्या का इलाज किया जाता है. इसमें महिला के एग और पुरुष के स्पर्म को लैब में मिलाकर भ्रूण बनाया जाता है. इस प्रक्रिया में क्लिनिकल एम्ब्रियोलॉजिस्ट की अहम भूमिका होती है. क्लिनिकल एम्ब्रियोलॉजी कोर्स करके आप आईवीएफ लैब में काम करने वाले एक्सपर्ट बन सकते हैं. यह कोर्स AIIMS जैसे संस्थानों में काफी लोकप्रिय है. आजकल इसकी डिमांड तेजी से बढ़ रही है क्योंकि इनफर्टिलिटी के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है. यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बनता जा रहा है. आइए इस कोर्स के बारे में विस्तार से जानते हैं.

क्या है क्लिनिकल एम्ब्रियोलॉजी?

AIIMS से MBBS के बाद अगर आप आईवीएफ तकनीक और बच्चे पैदा करने से जुड़ी साइंस (Reproductive Science) के क्षेत्र में अच्छा करियर बनाना चाहते हैं तो Diploma in Clinical Embryology एक अच्छा विकल्प है. यह कोर्स आपको एम्ब्रियोलॉजी आईवीएफ से जुड़े काम लैब में होने वाले तरीके अंडाणु और शुक्राणु को संभालने जैसी खास तकनीकें सिखाता है. इस डिप्लोमा से आप इन्फर्टिलिटी का इलाज और असिस्टेंट रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी में माहिर बन सकते हैं जो आज की हेल्थकेयर फील्ड में तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है.

करियर स्कोप

भारत में एम्ब्रियोलॉजी का स्कोप बहुत अच्छा है क्योंकि आईवीएफ और टेस्ट ट्यूब बेबी तकनीक की मांग लगातार बढ़ रही है. आईवीएफ क्लिनिक, फर्टिलिटी सेंटर, हॉस्पिटल, मेडिकल रिसर्च और टीचिंग क्षेत्रों में एम्ब्रियोलॉजिस्ट की जरूरत रहती है. अनुभव के साथ सैलरी 4-6 लाख सालाना से शुरू होकर 10-20 लाख सालाना तक जा सकती है. रिसर्च और विदेशों में भी एम्ब्रियोलॉजिस्ट के लिए अच्छे अवसर मौजूद हैं.

कौन कर सकता है ये कोर्स?

डिप्लोमा इन क्लिनिकल एम्ब्रियोलॉजी में एडमिशन के लिए उम्मीदवार को जीव विज्ञान विषय के साथ 12वीं पास होना जरूरी है. कुछ संस्थान ग्रेजुएशन डिग्री की भी मांग करते हैं. 12वीं या ग्रेजुएशन में कम से कम 50% अंक होने चाहिए और उम्र कम से कम 17 वर्ष होनी चाहिए. एडमिशन कुछ कॉलेज मेरिट के आधार पर देते हैं जबकि कुछ जगह एंट्रेंस एग्जाम या इंटरव्यू लिया जाता है.

एंट्रेंस एग्जाम

डिप्लोमा इन क्लिनिकल एम्ब्रियोलॉजी में एडमिशन के लिए अलग-अलग कॉलेज अपने-अपने एंट्रेंस एग्जाम लेते हैं. कुछ कॉलेज NEET PG या AIIMS PG Entrance Exam जैसे मेडिकल एग्जाम के स्कोर पर भी एडमिशन देते हैं. इसके अलावा, कई प्राइवेट यूनिवर्सिटीज अपने खुद के एंट्रेंस टेस्ट भी कराती हैं.

MBBS के बाद कर सकते हैं कोर्स

MBBS के बाद आप Clinical Embryology में कोर्स करके आईवीएफ और फर्टिलिटी ट्रीटमेंट के क्षेत्र में करियर बना सकते हैं. इसके लिए आप MSc in Clinical Embryology (2 साल), Post Graduate Diploma (1 साल) या Fellowship Programs (6-12 महीने) कर सकते हैं. इन कोर्स में आईवीएफ तकनीक, अंडाणु और शुक्राणु की तैयारी, भ्रूण का विकास और फीजिंग जैसी प्रक्रियाएं सिखाई जाती हैं. कोर्स पूरा करने के बाद आप आईवीएफ विलनिक, फर्टिलिटी सेंटर्स या बड़े अस्पतालों में Embryologist के रूप में काम कर सकते हैं और इस फील्ड में अच्छा वेतन व विदेशों में काम करने के अवसर मिलते हैं.

क्लिनिकल एम्ब्रियोलॉजी करियर ऑप्शन

आईवीएफ क्लिनिक में एम्ब्रियोलॉजिस्ट
लैब में भ्रूण (एंब्रियो) से जुड़ा काम करने वाले एक्सपर्ट

फर्टिलिटी सेंटर में लैब टेक्नीशियन
टेस्ट और प्रोसेस में डॉक्टर की मदद करने वाले प्रोफेशनल

एंड्रोलॉजी लैब्स में काम
पुरुषों की फर्टिलिटी से जुड़े टेस्ट करने का मौका

एम्ब्रियोलॉजी रिसर्चर
नई तकनीकों और उपचारों पर रिसर्च करने वाला विशेषज्ञ

स्टेम सेल बैंकिंग स्पेशलिस्ट
स्टेम सेल को सुरक्षित रखने और संभालने वाला प्रोफेशनल

टीचिंग / एकेडमिक्स
कॉलेज या इंस्टीट्यूट में पढ़ाने और ट्रेनिंग देने का अवसर

फार्मा और बायोटेक कंपनियों में नौकरी
रिसर्च, डेवलपमेंट या प्रोडक्ट डिजाइन में करियर

क्रायोप्रिजर्वेशन एक्सपर्ट
अंडाणु, शुक्राणु या भ्रूण को फ्रीज़ कर सुरक्षित रखने वाले विशेषज्ञ

विदेशों में करियर के मौके
आईवीएफ, रिसर्च और हेल्थकेयर फील्ड में इंटरनेशनल जॉब्स

डिजिटल मार्केटिंग में नहीं होगी नौकरियों की कमी

डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की डिमांड हर साल 25 से 30 फीसदी की दर से बढ़ रही है। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए डिजिटल मार्केटिंग एक बहुत ही अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। अगर आप भी नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो सफलता के बेसिक डिजिटल मार्केटिंग कोर्स की मदद ले सकते हैं।

नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए डिजिटल मार्केटिंग एक बहुत ही अच्छा विकल्प साबित हो सकता है। भारत समेत पूरी दुनिया में अभी डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की काफी डिमांड है। आज बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों से लेकर हजारों छोटी बड़ी कंपनियां ऑनलाइन अपना व्यापार बढ़ाने के लिए बड़े संख्या में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स को हायर कर रही हैं। देश विदेश में डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की बढ़ती हुई डिमांड को देखते हुए देश की जानी-मानी ऐडटेक कंपनी सफलता डॉट कॉम ने अब देश के युवाओं को डिजिटल मार्केटिंग में दक्ष बनाने के लिए एक खास कोर्स की शुरुआत की है।

आने वाले कई सालों तक नहीं होगी नौकरियों की कमी

भारत में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 95 करोड़ से भी अधिक है। इंटरनेट यूजर्स की बढ़ती हुई संख्या से इस फील्ड में और भी कस्टमर तैयार होंगे। इससे डिजिटल मार्केटिंग की दुनिया और भी बढ़ेगी और भविष्य में इसमें रोजगार के और भी अवसर उत्पन्न होंगे। साथ ही डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की डिमांड हर साल 25 से 30 फीसदी की दर से बढ़ रही है। इसलिए यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले कई सालों तक इस फील्ड में नौकरियों की कमी नहीं होगी।

इस कोर्स में क्या है खास

- 50+ लाइव और रिकॉर्डेड क्लासेस
- गूगल सर्टिफाइड एक्सपीरिएंस्ड फैकल्टी
- पीडीएफ क्लास नोट्स
- रेज्यूम बिल्डिंग
- इंटरेक्टिव सेशन
- इंडस्ट्री एक्सपर्ट द्वारा मास्टर क्लास सेशन
- वीकली मॉक टेस्ट और असाइनमेंट्स

सफलता के साथ करें करियर प्लान

अगर आप भी 12वीं या ग्रेजुएशन कर चुके हैं लेकिन अपने करियर को लेकर तमाम तरह की चिंताओं से घिरे हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। देश की जानी-मानी ऐडटेक कंपनी सफलता ने युवाओं की मदद के लिए कई प्रोफेशनल और स्किल ओरिएंटेड शॉर्ट और लॉन्ग टर्म कोर्सेस की शुरुआत की है जहां से आप घर बैठे खुद को एक किसी फील्ड का प्रोफेशनल बना सकते हैं। यहां ग्राफिक डिजाइनिंग और डिजिटल मार्केटिंग के अलावा भी कई कोर्स मौजूद हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए भी सफलता पर लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोर्सेज हैं। यहां से पढ़कर सैकड़ों युवाओं ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में शानदार नौकरियां हासिल की हैं। अगर आप भी प्राइवेट या सरकारी नौकरी की तलाश में हैं तो आप एक बार सफलता डॉट कॉम पर विजिट जरूर करें और अपनी पसंद के मुताबिक कोर्स में एडमिशन लीजिए जिसके बाद आपको सफलता की फैकल्टी ना केवल आपको प्रोफेशनल बनने के लिए तैयार करेगी बल्कि वो आपका सही करियर चुनने में मार्गदर्शन भी करेगी।